>

Title: Acute potable water crisis being faced by the persons residing around Taj Mahal and Taj Nagari due to low water level in river Yamuna.

प्रो. रामशंकर (आगरा): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आगरा, जिसे मोहब्बत की नगरी के नाम से जाना जाता है, की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। यहां यमुना नदी पूरी तरह से सूखी पड़ी है। साढ़े तीन सौ साल पहले जब ताजमहल का निर्माण हुआ, उस समय यमुना में पर्याप्त पानी था, लेकिन आज यमुना सूखी है। इस कारण ताजमहल की नींव में जो लकड़ी है, वह सूख रही है। वह लकड़ी सूखने और सिकुड़ने के कारण ताजमहल को खतरा हो गया है और ताजमहल कभी भी गिर सकता है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया है और जांच के निर्देश दिए हैं। मैं कहना चाहता हूं कि केवल औपचारिकताएं हो रही हैं। यमुना के पानी के कारण मिनारों का झुकाव नहीं हो रहा था, लेकिन यमुना सूखी होने के कारण ताजमहल की मिनारें झुक रही हैं। यमुना के पानी से वहां की जनता की पानी की समस्या हल होती थी, वहां लोग पानी न मिलने से परेशान हैं और बीमारी फैल रही है।

मेरी सरकार से मांग है कि ताजमहल को देखने के लिए आज भी चालीस से पचास हजार पर्यटक रोज आते हैं, इसलिए ताजमहल और आगरा के लोगों को बचाने के लिए यमुना में बैराज बनाया जाए। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले को गम्भीरता से लिया है।